(ख) और (ग) आठवीं योजना को योजना आयोग द्वारा अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। तथापि "विद्युत संबंधी दल" (ग्रुप आन पावर) की रिपोर्ट के अनुसार आठवीं योजना अवधि अर्थात् 1992–97 के दौरान 36645.7 मैंघावाट की क्षमता जोड़े जाने का प्रस्ताव है।

विवरण

अप्रेल, 1991—अक्टबर, 1991 के दौरान राज्यवार/संघ शासित क्षेत्रवार/प्राणीवार ऊर्जा उत्पादन संबंधी कार्यक्रम के साथ-साथ वास्तविक ऊर्जा के उत्पादन को दर्शाने वाला विवरण

(आंकड़े मिलियन यूनिट में)

1	2	3
राज्य संघ शासित क्षेत्र/ प्रणाली का नाम	अवधि अप्रेल, 1991—अक्टूबर, 1991	
	लक्ष्य	वास्तविक ऊर्जा उत्पादन
भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड	7132	8530
दिल्ली	3749	3631
जम्मू और कश्मीर	2182	2152
हिमाचल प्रदेश	1568	1427
हरियाणा	1823	1881
राजस्थान	3509	4445
पंजाब	6249	5564
उत्तर प्रदेश	23574	25076
गुजरात	11110	11399
महाराष्ट्र	23479	23092
मध्य प्रदेश	18477	17896
आन्ध्र प्रदेश	16597	16590
कर्नाटक	7214	6929
केरल	3000	3135
तमिलनाडू	13478	1376
बिहार	2192	1478
उड़ीसा	3459	3703
पश्चिम बंगाल	7657	7933
दामोदर घाटी निगम	3888	
सिक्कम	32	21
असम	795	631
मेघालय	723	798
त्रिपुरा	103	72
मणिपुर	249	261

Pending power projects of Madhya Pradesh

1851. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Madhya Pradesh has submitted a number of proposals either for opening new power projects or for expanding the existing power projects in the State for clearance to the Central Government;

(b) if so, what are the details thereof alongwith their dates of receipt by the Central Government; and

(c) by when Government propose to clear all the pending power projects of the State?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) Yes, Sir. Details are as follows:

Sl. No.	Name of the Project	Capacity (MW)	Date of receipt in CEA
1.	Tawa LBC (H) (Revised)	2x6-12	10/90
2.	Pench St. II (Units 3&4) (T)	2x250-500	4/90
3.	Gopad (T)	4x500-2000	11/90
4.	Sanjay Gandhi (Barsingapur) Extn. (T)	1x500-500	12/90
5.	Gwalior Gas Based Comb. Cycle Plant (T)	817	8/90
6.	Matner (H) (Revised)	2x40-80	1/91
7.	Bina (T)	4x250-1000	5/91

(c) All efforts are made by the Central Electricity Authority to accord techno-economic clearance to the proposals received from the State Governments as expeditiously as possible. After the techno- economic clearance from CEA, the project is processed in Planning Commission for investment approval.

गुजरात और बिहार में ऊर्जा इकाइयों के निर्माण कार्य की समीक्षा

1852. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात और बिहार के विद्युत उत्पादन करने वाली इकाइयों के निर्माण कार्य की स्थिति की समीक्षा की है ताकि इस बात को सुनिश्चित किया जा सके कि निर्माण कार्य योजनाबद्ध ढंग से हो रहा है ;

(ख) यदि हां, तो ऐसी इकाइयों की संख्या कितनी है जहां निर्माण कार्य योजनाबद्ध ढंग से नहीं किया जा रहा है ; और

(ग) उक्त कार्य को योजनाबद्ध तरीके के पूर्ण करवाने के लिए सरकार द्वारा अपने स्तर पर की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) केंद्रीय व राज्य क्षेत्र दोनों में विद्युत परियोजनाओं को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने की दृष्टि से परियोजनाओं का कार्यान्वयन का गहन प्रबोधन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है । परियोजनावार समस्याओं का पता लगाया जाता है, उपचारात्मक उपाय सुझाए जाते हैं तथा संबंधित परियोजना प्राधिकरणों को बाधाओं को दूर करने के लिए अपेक्षित उपाय करने की सलाह दी जाती है । संयुक्त समन्वय बैठकें भी आयोजित की जाती हैं जोकि निष्पादनाधीन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए समन्वित प्रयास सुनिश्चित करने के लिए परियोजना प्राधिकारियों तथा मुख्य सम्भरकों के मध्य एक लाभदायक संपर्क स्थापित करेगी । निर्माण संबंधी कार्य योजनाबद्ध रूप से निष्पादित किए जा रहे हैं । कभी-कभी परियोजना प्राधिकारियों के नियंत्रण से परे विभिन्न कारणों से अपरिहार्य विलम्ब भी हो जाते हैं । विद्युत परियोजनाओं के प्रचालन में विलम्ब के लिए मुख्य कारण है धन की कमी, भूमि के अधिग्रहण में देरी, आदि ।